

movement of Public on platforms of Madras Central Station;

(b) if so, since when and reasons therefor.

(c) nature of restrictions imposed;

(d) whether restrictions have resulted in inconvenience to people wishing to go on platform to see off relatives and friends and to old men and women who need escorts; and

(e) if so, whether the restrictions will be reviewed and suitably modified or withdrawn?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF):

(a) Southern Railway has imposed a restriction on movement of public other than passengers only at platform No. 1 of Madras Central prior to the departure of 15 G.T. Express.

(b) The above steps have been taken as an experimental measure with effect from 27-1-1983 mainly to regulate large crowd of people and unauthorised persons entering compartments thereby inconveniencing the bonafide passengers. A large number of friends and relatives were also getting into trains and occupying seats which were reserved for bonafide passengers. Also toilet facilities were being misused by unauthorised persons depleting the water in coaches even before the departure of the train.

(c) and (d) Persons accompanying children, ladies, physically handicapped, patients and aged passengers are permitted alongwith the passengers under the scheme.

(e) Based on the experience to be gained, the question of withdrawing or modifying the scheme will be considered.

चिकित्सा शिक्षा के स्तर में कथित गिरावट

732. श्री रवीन्द्र वर्मा :

श्री मोती भाई आर० चौधरी:

श्री बापूसाहिब परुलेकर :

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि चिकित्सा शिक्षा का स्तर गिर रहा है,

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा तत्काल उठाए गए कदमों का क्या ब्यौरा है।

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई समिति गठित की है, और

(घ) यदि हां, तो इसकी रिपोर्ट कब तक मिल जाने की सम्भावना है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मोहसिना किदवाई) :

(क) और (ख) भारतीय आयु-विज्ञान परिषद ने कुछ मेडिकल कालजों में अपने निर्धारित स्तरों में कुछ कमियां पायी हैं। इन कमियों को दूर करने के लिए परिषद ने संबंधित संस्थाओं/ विश्वविद्यालयों तथा राज्य सरकारों को लिखा है।

(ग) "सन 2000 ईसवी तक सब के लिए स्वास्थ्य" के लक्ष्य को प्राप्त करने की राष्ट्रीय वचनबद्धता को ध्यान में रखते हुए वर्तमान चिकित्सा शिक्षा प्रणाली में आवश्यक परिवर्तन करने पर विचार करने तथा सुझाव देने के लिए भारत सरकार ने सितम्बर, 1981 में एक चिकित्सा पुनरीक्षा समिति बनाई।

(घ) इस समिति ने हाल में अपनी रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत कर दी है।